हिन्दी साहित्य

GE- 2

शास्त्री- प्रथम वर्ष (2022-23) द्वितीय सत्रार्द्ध

चतुर्थ प्रश्न-पत्र

लिखित परीक्षा- 60 अंक

आन्तरिक मूल्यांकन-40 अंक

पूर्णांक-100 अंक

प्रश्न-पत्र- आदिकालीन एवं भक्तिकालीन हिन्दी काव्य

कुल-4 क्रेडिट

2 क्रेडिट

खण्ड (क)

(1)

1. पृथ्वीराज रासो-चंदबरदाई, संक्षिप्त पृथ्वीराज रासो- सम्पादकः हजारीप्रसाद द्विवेदी, नामवर सिंह

कैमास करनाटी प्रसंग- 1 से 5 छंद तक

1. दिल्ली चहुआंन..... भागनेय मातुल सुरत ।।1।।
2. सयन इक्क सवसहि..... कलै ध्रम्म धरनिय बिसम ।।2।।
3. राज काज दाहिम्म..... बछै लोक असोक सुष ।।3।।
4. राज चित्त कैमास..... फिर उदधि मिली।।4।।
5. मंदी देश बनिंक सुअ..... राजन रष्यिय हित्त।।5।।

2. विद्यापति पदावली- सं. शिवप्रसाद सिंह

1. नन्दक नन्दन कदम्बेरी तरूतरे
2. सुन जसिया ऊबन बजाऊ बिपिन बसिया
3. विरह व्याकुल मृदुल तरूवर
4. कुंज भवन से चल भेलि हे
5. सखि हे कतऊं न देख मधाई

(2)

3. कबीर- ग्रंथावली- सं. श्यामसुन्दर दास

गुरूदेव कौ अंग

1. सतगुरू की महिता अनंत..... (3)
2. ग्यान प्रकास्या गुर मिल्या..... (13)

अर्पना दुबे

Scanned with CamScanner

सुमिरण कौ अंग

1. भगति भजन हरि नाँव है..... (4)
2. कबीर चित्र चमाँकिया ..... (32)

बिरह कौ अंग-

1. अंषड़ियाँ झाई पड़ी..... (22)
2. सुखिया सब संसार है..... (45)

पद

1. दुलहनी गावहु मंगलचार ..... पुरिष एक अविनासी (1)

4. जायसी

जायसी ग्रंथावली- सम्पादकः आचार्य रामचन्द्र शुक्ल

नागमती-वियोग खण्ड (प्रथम पाँच पद)

1. नागमती चितउर पथ हेरा ..... विरह काल मोहि दीन्ह (1)
2. पिउ वियोग अस बाउर जीऊ..... पाँख जरा, गा भागि (2)
3. पाट महादेइ! हिये न हारू..... ते अद्रा पलुहंत (3)
4. चढ़ा असाढ़, गगन घन गाजा..... हम सुख भूला सर्व (4)
5. सावन बरस मेह अति पानी.....ना मोहि पाँव न पाँख (5)

2 क्रडिट

खण्ड (ख)

(3)

5. सूरदास

सूरदास (पहला खंड)- सम्पादकः नंददुलारे वाजपेयी

1. अबिगत-गति कहु कहत न आवै।..... पद संख्या-2 पृ.-1
2. मेरौ मन अनत कहाँ सुख पावै।..... पद संख्या-168, पृ.-55
3. जसुमति मन अभिलाषा करै।..... पद संख्या -76, पृ.-286
4. सुत मुख दोखि जसोदा फूली।..... पद संख्या-82 पृ. 288-289
5. सोभित कर नवनीत लिए।..... पद संख्या-99, पृ. 295

अर्चना दुबे

Scanned with CamScanner

6. तुलसीदास

विनयपत्रिका- गीताप्रेस, 27 वाँ सं-2037

1. तू दयालु, दीन हौं, तू दानि हौं भिखारी। पद सं-79
2. अब लौं नसानी, अब न नसैहौं। पद सं.-105
3. ऐसो को उदार जग माही? पद सं. 162
4. कबहुक हौं यहि रहनि रहौंगी- पद सं.-172
5. कहे बिनु रह्यो न परत, कहे राम। पद सं. 256

- रामचरितमानस, गीता प्रेस

पुष्पवाटिका प्रसंग, (बालकाण्ड)

देखन बागु कुअँर दुई आए..... जलद पटल बिलगाइ।

(4)

7. मीरांबाई

मीरां पदावली-सम्पादकः -शंभुसिंह मनोहर

1. मन थें परस हरि के चरण (01)
2. धारो रूप देख्यां अटकी (09)
3. मो हे रावरे के रंग की राँची (19)
4. मैं तो गिरिधर के घर जाऊ (20)
5. म्हाँ गिरिधर के रंग राती वहाँ (26)

8. रहीम

रहीम ग्रंथावली-सम्पादकः विद्यानिबास मिश्र, डॉ. गोविन्द रजनीश

दोहा संख्या- 186,191,211,212,214,218,219,220,223,224 - 10 दोहे

9. रसखान

रसखान रचनावली-सम्पादकः विद्यानिवास मिश्र, सत्यदेव मिश्र

(1,2,3,6,11)- 05 सवैया

1. मानुष हौं तो वही रसखानि..... कदंब की डारन (1)
2. या लकुटी अरु कामरिया पर ..... ऊपर वारौं (2)
3. मोरपखा सिर ऊपर राखिहौं..... अधरा न धरौंगी (3)
4. खेलत फाग सुहाग भरी..... मन कों हरि कै (6)

5

अर्चना दुबे

5. बंसी बजावज आनि कढो सो..... हलाहल नन्द के द्वारैं। (11)

सहायक ग्रंथ-

1. संक्षिप्त पृथ्वीराज रासो-सम्पादक: आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी, नामवर सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, संस्करण- 2019
2. विद्यापति पदावली-सम्पादक: शिवप्रसाद सिंह
3. कबीर ग्रंथावली- सम्पादक: श्यामसुन्दर दास
4. कबीर-हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
5. जायसी ग्रंथवाली- सम्पादक: आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
6. सूरदास (पहला खण्ड) सम्पादक: नंद दुलारे वाजपेयी, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी।
7. विनयपत्रिका- तुलसीदास, गीताप्रेस, वाराणसी।
8. रामचरितमानस-तुलसीदास, गीताप्रेस, वाराणसी।
9. गोस्वामी तुलसीदास कृत विनयपत्रिका: सम्पादक, टीकाकार- वियोगी हरि, सस्ता साहित्य मण्डल, नई दिल्ली।
10. मीरां पदावल्ली - सम्पादक: शंभुसिंह मनोहर, कॉलेज बुक डिपो, जयपुर।
11. रसखान रचनावली-सम्पादक: विद्यानिवास मिश्र, सत्यदेव मिश्र, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, संस्करण-2013
12. रहीम ग्रन्थावली- सम्पादक: विद्यानिवास मिश्र, गोविन्द रजनीश, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।

अर्चना दुबे

Scanned with CamScanner